नास्टमा कम्प्युटर
इन्जिनियरिङ,
बिसिए, बिबिए
र सिभिल
इन्जिनियरिङका साथै
अब MBA पनि ।

नास्ट कलेज
धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक १३ वि.सं. २०८२ सावन १३ गते मंगर थारु सम्वत (२६४८) [Tuesday 29 July 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

थारु समदायके संस्कृतिके सम्मान

कैलालीके ११ स्थानीय तहसे आज स्थानीय बिदा

फाइल फोटु ।

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १२ सावन । थारु समुदाय आज (मंगरके रोज) गुरही टिहुवार भव्यता कार्यक्रम करके मनाई लागल बटै ।

पहिलेक पुर्खाहुक्रे आ–आपन गाउँमे आपन मौलिकता अनुसार मनैना करलेसेफे अब्बे गुरही मनैना तरिका आधुनिकता गैलेसेफे स्थापित हुइटी गैल हो ।

सावन शुक्ला पञ्चमी (नाग पञ्चमी)के दिन मनाजैना गुरही टिहुवारके थारु समुदाय फरक तरिकासे मनैना करल थारु कल्याणकारिणी सभाके केन्द्रीय उपाध्यक्ष प्रभातकुमार चौधरी बटैलै । उहाँ कहलै, 'पहिले गुरही टिहुवारमे सरकार चासो डेहल नैरहे । संघीयता आइलसंगे स्थानीय सरकारसे थारु समुदायके संस्कृतिके सम्मान करल बा ।'

कैलाली जिल्ला ओसिकफे थारु समुदायके बाहुल्यता रहल जिल्ला हो । यहाँ १३ ठो स्थानीय रहल बा । जहाँ ११ स्थानीय तहमे थारु समुदायके बाहुल्यता रहल बा । थारु समुदायके टरटिहुवार होए वा गैरथारु समुदायके टरटिहुवार होए यहाँ बसोबास करुइया सक्कु समुदाय एक दुसरके संस्कृतिके सम्मान कैना परिपाटीके विकास हुइल बा जौन सामाजिक सदभाव बह्रटी जैना मजा पक्ष हो ।

कैलालीमे रहल १३ स्थानीय तह मन्से १० स्थानीय तहसे थारु समुदायसे मनाजैना गुरही टिहुवारके सम्मान करटी आज एक दिन स्थानीय विदा डेले बा । जेम्ने कैलारी गाउँपालिका, धनगढी उपमहानगरपालिका, जोशीपुर गाउँपालिका, भजनी नगरपालिका, जानकी गाउँपालिका, टीकापुर नगरपालिका, गोदावरी नगरपालिका, गौरीगंगा नगरपालिका, घोडाघोडी नगरपालिका, बर्दगोरिया गाउँपालिका रहल बा । कैलालीके लम्कीचुहा नगरपालिकामे थारु समुदायके गझिन बस्ती रहलेसेफे यहाँ भर गुरहीके विदा डेहल नैहो कलेसे पहाडमे पर्ना चुरे ओ मोन्याल गाउँपालिकामे थारु समुदायके बसोबास नैहो ।

परम्परागतसे आधुनिकता ओर गैल गुरही टिहुवार

थारु समुदायसे मनाजैना गुरही टिहुवारके पहिले पहिले खासे चर्चा नैहुइलेसेफे अब्बेभर गाउँ गाउँमे भव्यता कार्यक्रमके विच मनाजैटी बा । पहिले भोज नैकरल लउण्डीन आपन पहिरनमे गुरही अस्रैना लुगरक गुरही बनाके, टमान मेरिक भुजा ढकुलीमे लेके ओइनसंगे लउण्डाहुँक्रे सोटा लेके गाउँक दखिन जाईट । गुरही अस्रैना ठाउँमे पुगलपाछे लउण्डा मनै चुरकीमे विना सास लेहल गाँठी पारलपाछे लउण्डीहुक्रे आपन लैगिल गुरही ओ भुजा अस्राइट, लउण्डा मनै सोटाले ठडाइट ।

अब्बे भर गुरही टिहुवार औपचारिक कार्यक्रम करके मनैना सुरुवाट हुइल बा । एक ओर हमार संस्कृति स्थापित विश्वव्यापी करल हुइटी गैल बा कलेसे दुसर ओरसे परम्परा अनुसार मनैना चलन हेराई लागल बा ।

कैसिक मनाजाइठ् गुरही ?

थारु समाजमे यी टिहुवार ओ पूजाहे कुछ फरक मेरिक लेजाइठ् । खेतीपाती उसारके सबजे घरम् फुर्सटसे बैठल बेला अइना यी टिहुवार साउन शुक्ल पञ्चमीमे पर्ना टिहुवार हुइलक ओरसे यी नागपञ्चमीके दिन परठ । थारु समाजमे 'गुरही, गुर्या' कहिके मनैना गैरथारुहुक्रे नागपञ्चमीके पूजा कैठै ।

वरष दिनके खैना जुटाइक् लाग खेतीपातीमे पेलल थारु समाज जब हिलाकिंचासे निकरके अइठैं टब्बहीं गुरही टिहुवार आइठ । साँझके समयमे जब गोरु बछरु गयरवन (बाँकी २ पेजमे)

छाउपडीविरुद्धके कानून कार्यान्वयन कैना आग्रह

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १२ सावन । सुदूरपश्चिम प्रदेश सभाके सदस्य प्रदेशमे छाउपडी प्रथाविरुद्धके कानुन प्रभावकारी रूपमे कार्यान्वयन कैके प्रदेशसे छाउपडी प्रथा उन्मुलन कैना आग्रह करल बा ।

प्रदेश सभाके अँट्वारके बैठल बैठकमे समसामयिक विषयमे बोल्टी उहाँहुक्रे छाउपडी प्रथाविरुद्धके ऐन, कानुन प्रभावकारी रूपमे कार्यान्वयन कैके चेलीबेटीके जीउज्यान सुरक्षाके ग्यारेन्टी कैना प्रदेश सरकारहे आग्रह करल हो । गैल असार २७ गते कञ्चनपुरके कृष्णापुर नगरपालिकास्थित निगालीके २८ वर्षीय कमला आउजी दमाईं छाउपडीमे बैठल बेला सँप्वाके कटाइसे ज्यान गैल रहे । उ घटनापाछे छाउपडी उन्मूलनके विषयहे जोडदार रूपमे सदनमे उठाइल बा ।

प्रदेश सभा सदस्य जानकी कुँवर नेपाल सरकारसे छाउपडी प्रथाविरुद्धके कानुन २०७४ मे बनाके उहीहे दण्डनीय अपराधके रूपमे लेलेसे फेन कानुन कार्यान्वयन हुइ नैसेकके सुदूरपश्चिममे बर्सेनि महिला छाउगोठमे ज्यान गुमाइ परल बटैलै । उहाँ छाउपडी प्रथाविरुद्धके कानुन गम्भीरतापूर्वक कार्यान्वयनमे ध्यान डेना प्रदेश सरकारहे आग्रह करलै ।

ओस्टके औरे प्रदेश सभा सदस्य गीतादेवी माल छाउगोठमे महिला ज्यान गुमैटी रहल बेला प्रदेश सरकार मौन रहल आरोप लगैली । प्रदेश सभा सदस्य मधुदेवी भारती नीति बनाके छाउपडी प्रथा अन्त्यके लाग आघे बह्रना प्रदेश सरकारहे आग्रह करली । भौतिक रूपमे छाउगोठ भत्काके नैहुइना कहटी उहाँ मनके छाउगोठ भत्कैना जरुरी रहल औंल्याइली ।

सुदूरपश्चिमके १३ क्याम्पसहे आंगिक बनैना प्रधानमन्त्रीके ध्यानाकर्षण

बैतडी, १२ सावन । बैतडीके दुईसहित सुदूरपश्चिमके १३ क्याम्पसहे सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालयके आंगिक क्याम्पस बनैना माग करल बा ।

बैतडीके पुर्चौंडी बहुमुखी क्याम्पस हाट ओ गोकुलेश्वर कृषि तथा पशु विज्ञान कलेज, दार्चुलाके शंकरपुर बहुमुखी क्याम्पस पस्तीसहित सुदूरपश्चिमके १३ क्याम्पसहे आंगिक बनैना प्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओलीहे ध्यानाकर्षण पत्र बुझाइल अनेरास्ववियुके निर्वतमान उपाध्यक्ष गोविन्द गिरी बटैलै ।

त्रिभुवन विश्वविद्यालयसे सम्बन्धन प्राप्त १३ क्याम्पसहे आर्थिक बरस २०८२/८३ मे सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालयके आंगिकके रुपमे समायोजन कैडेना आग्रह करल ध्यानाकर्षण पत्रमे उल्लेख बा । 'सत्यसे नैलर्ना ओ शक्तिसे नैझुक्ना' समाज निर्माणमे शिक्षाके भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण हुइना उल्लेख कैटी शिक्षा क्षेत्रमे लगानी वृद्धि कैना सरकारके ध्यानाकर्षण कराइल उल्लेख करल बा । (बाँकी ४ पेजमे)

थारु टेलिभिजन प्रालि

धनगढी–८, कैलाली

कर्मचारी आवश्यकता सम्बन्धी अत्यन्त जरुरी सूचना

प्रथम प्रकाशित मिति: २०८२/०४/१२

थारु टेलिभिजन प्रालिमा रिक्त रहेको सम्पादक पद खुल्ला प्रतियोगिताबाट पदपूर्ति गर्न आवश्यक भएकोले निम्न योग्यता पुगेको इच्छुक महानुभावबाट दरखास्त आव्हान गरिन्छ ।

१) विज्ञापन नं.: १/०८२/०८३
२) पद: सम्पादक
३) योग्यता: पत्रकारिता विषय लिई स्नातक तह उत्तीर्ण
४) उमेर: १८ वर्ष पुरा भई ३५ वर्ष ननाघेको ।
५) दरखास्त दिने अन्तिम मिति: २०८२/०४/१८ गते ।
६) दरखास्त दस्तुर: रु.३००।- (तीन सय मात्र)
७) सम्पर्क मिति: २०८२/०४/१९ गते ।
८) अन्तर्वार्ता मिति: सम्पर्क मितिमा तोकिनेछ ।
९) तलब: थारु टेलिभिजको नियमानुसार ।

पदपूर्ति समिति
थारु टेलिभिजन प्रालि, धनगढी

Shaileshwori Farwest School of Health Science & Technology

Dhagnadhi, Kailali

आवेदन फाराम भर्ने सम्बन्धी सूचना

उपरोक्त सम्बन्धमा प्रा.शि. तथा व्या.ता. परिषदबाट मिति २०८२/०४/०५ गतेको प्रकाशित सूचना अनुसार शैक्षिक सत्र २०८२/०८३ का लागि यस क्याम्पसमा सामान्य चिकित्सा, ल्याब टेक्निसियन र डिप्लोमा इन फार्मेसी कार्यक्रममा भर्ना अनलाइन आवेदन फाराम खुलेको व्यहोरा जानकारी गराइन्छ ।

अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने तथा बुझाउने सम्बन्धी व्यवस्था:

- आवेदन फाराम शुल्क: १०००।- (एक हजार मात्र)
- अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने मिति: २०८२ श्रावण ०६ गतेदेखि
- अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने अन्तिम मिति: २०८२ श्रावण २५ गतेसम्म
- अनलाइन आवेदन फाराम सम्बन्धमा: अनलाइन आवेदन फाराम www.ctevtexam.org.np मा उपलब्ध गराइएको ITMS Online मा भरी Submit गर्नुपर्नेछ ।
- अनलाइन आवेदन बापतको शुल्क फाराम भर्दाको समयमा नै Connect IPS वा Khalti Digital Wallet प्रयोग गरी रकम बुझाउनु पर्नेछ ।

अनलाइन आवेदन फाराम भर्न चाहिने आवस्यक कागजातहरू:

१. रंगिन फोटो 35mmx45mm साइज (२) प्रति
२. SEE नतिजा Online बाट प्रिन्ट गरेको (यसै सालमा SEE नतिजा प्रकाशितको हकमा)/पुरानो SEE/SLC को हकमा सक्कल मार्कसिट ।
३. SEE सक्कल प्रवेशपत्र (यसै सालमा SEE नतिजा प्रकाशितको हकमा) ।
४. चारित्रिक प्रमाणपत्र (Character Certificate) सक्कल ।
५. जन्मदर्ता वा नेपाली नागरिकता सक्कल ।
६. TSLC को हकमा SEE/SLC/TSLC अध्ययन गरेको सम्पूर्ण शैक्षिक कागजातहरू सक्कल ।
७. लक्षित वर्गको हकमा सो खुल्ने आवश्यक प्रमाणपत्र ।
८. शिक्षालयले अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने सम्बन्धमा आवेदक विद्यार्थीहरूलाई सहजीकरण गर्न सक्नेछ ।
९. सामान्य चिकित्सा (४०) मेडिकल ल्याव टेक्नोलोजी (३०) र डिप्लो इन फार्मेसी (४०) जनाको सिट सीमित छ ।
१०. सम्पर्क नं. ९८५८४२३५०६/०९१-५२१३०५

विमला पौडेल
क्याम्पस प्रमुख

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
कानूनी सल्लाहकार : **अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

थारू समुदायमे बालपर्व 'गुरही'

✍ छविलाल कोपिला

संस्कृति हरेक समुदायके आपन मौलिक पहिचान हो । कौनो फेन जातिके जातीय पहिचान कला, संस्स्कृति ओ भाषासे जोडल रहठ् । थारु समुदायमे फेन अस्टे ढिउर संस्कृति रहल बावै । जौन अब्बे प्रायः लोप हुइना अवस्थामे बावै । कुछ रुपमे हुइलेसे फेन उ संस्कृति बाह्य संस्कृतिके प्रभावमे मौलिकता उपर फेन प्रश्न उठ्टी रहल बा । अस्टे ढिउर थारु समुदायके द्विविधा रहीके आ–अपने मेरके तर्क वितर्कसे समाज भित्रे अन्यौलके स्थिति सिर्जना हुइल यथार्थ फेन हमारसंग बा । उ मध्ये थारु समुदायके एक महत्वपूर्ण चाड 'गुरही' ।

का हो गुरही ?

'गुरही' थारु समुदायके एक बाल पर्व हो ओ यिहीहे ढिउरजाने लुटो फेक्ना पर्वके रुपमे फेन लेठै । यी पर्व सावन महिनाके शुक्ल पक्षके पञ्चमीके दिन परठ् । यिहे दिन हिन्दूहुक्रनके नामपञ्चमी परठ् ओ अवधी समुदायके गुडिया पर्व फेन परठ् । उहे कारणसे 'गुरही' ओ नाग पञ्चमी अक्के हो कना ढिउरके बुझाई रहल बा । मने यी संयोग किल हो वास्तविकता भर नाइहो । थारु समुदायके 'गुरही' पर्वके अपने सामाजिक मूल्य ओ मान्यता बा कलेसे नागपञ्चमीके अपने बा । नागपञ्चमीमे साप ओ बिषालु किराके पूजा करजाइठ् मने गुरहीमे न सापनके पूजा हुइठ् न टे बिषालु बिच्छी, गोजरके । यी दुनु पर्वके मूल्य मान्यता ओ लोक बुझाई फेन अलग अलग रहल ओरसे यी भिन्न भिन्नै पर्व हो कना बात बुझ्न जरुरी रहल बा ।

थारु समुदाय प्रकृति पुजक अथवा प्राकृत धर्म समूह भित्तरके एक जाति हो । प्रकृति प्रतिविश्वास कैना समुदाय रहल ओरसे प्राकृत धर्म नै थारु जाति हो प्राचीन धर्म हो कना बात ढिउर इतिहासकार उल्लेख करले बाटै । मने पाछेक समयमे हिन्दू धर्मके प्रभावसे अपनेहुक्रे हिन्दू हुइल दावी करुइयनके संख्या फेन बा । ओकर कारण कतिपय हिन्दू धर्मके पौराणिक मान्यता फेन अनुसरण स्वभाविक लागठ् । मिश्रित बसाईके कारण फन एक औरेक धर्म, आस्था ओ संस्कृतिप्रति सद्भाव तथा समान व्यवहारके कारण अन्य समुदायके सांस्कृतिक प्रभावसे कतिपय संस्कृतिहरु थारु समुदायके लाग फेन मौलिक होसेकल बा ।

'गुरही' पर्व एक गुरही (गाइने किरा) से जोडल बा । गुरही एक उड्ना किरा हो । यी मच्छर, भुस्ना लगायत शुक्ष्म किराहे खैना करठै । यिनीके संरक्षणसे मच्छर (लामखुट्टे) ओ भुस्ना लगायत किराके कमी हुइना रोगव्याधी कम लाग्न बैज्ञानिक धारणा बा । ओ यिहे किराके पूजासे तमान मेकरे रोग व्याधी कम हुइना जनविश्वास फेन थारु समुदायमे रहल बा ।

साबुन पानीसे मिसमिस हात धुइलेसे हेग्नीपोक्नी ओ अन्य सरुवा रोगसे बँचे सेक्जाईठ् ।

लोकमान्यता

गुरही पर्वसे सम्बन्धि एक लोककथा फेन बा । तबक जवानामे नरकमे तमान मेरके किरानके संख्या बह्रल ओ रोग फेन फैलल् । रोगके कारण मनैनके अकालमे मृत्यु हुइ लागल । स्वर्गलोकके देउताहुक्रे फेन आश्चार्य चकित परलै ओ सक्कु बात बुझक लाग एक बालिकाहे पृथ्वीलोकमे पठैलै । ओ, उहाँ एक साधारण परिवार जन्म लेली । ओहकान बाल्यकाल बहुट रमाइलोसे बिटल । परिवारमे सक्कुजाने मजा मानिट । मने, ओहकान भौजी भर डेखके सहे नाइ सेकी, बहुट दुःख डिइन् । उ भर सहके बैठी ।

उहाँ छोटछोट बालबालिकाहुक्रनसंग खुब खेल्न मन पराइट ओ खेलिट । उ ढिउर माया फेन करिट । उहाँहे बालबालिकाहुक्रे फेन ढिउर माया करिट । उहाँ कपडाके 'गुरही' खुब मन पराइट । मने, उहाँहे डेखके सहे नाइ सेक्ना ओहकान भौजी हरदम गुरही कबु नुकाडेना कबु फेकडेना करिन् । अइसीक करेबर उहाँ ढिउर दुःखी हुइट ओ कुछ कहे नाइ सेकिन् । भौजीक डरसे कबु डेहरी (धान राख्ने भकारी) भित्तर नुकाइट, कबु घरक कोनुवामे । अइसीक नुकैलेसे फेन हरदम भौजी फेकडेना करलपाछे एक दिन आपन जस्टे किराके उत्पत्ति करली । गुरही जस्टे सुन्दर सुन्दर किरा हावामे उडे लागलमे उ ढिउर खुशी हुइट । छिमेकी बालबच्चाहुक्रे फेन रमाइ लग्लै । यहोर गुरही मच्छर, भुस्ना लगायत शुक्ष्म किराहे खैना ओ मारे लग्लै । जिहीसे मच्छर, भुस्नाके प्रकोप फेन कम हुइल हो ओ रोगव्याधी फेन कम हुइल ।

यहोर मनैनके फेन अकालमे मृत्यु रोकगैल । ओ, उहाँ फेनसे स्वर्गलोक जाइ पर्ना हुइल । ओहकानसंगके उठ बससे ओहकान बालसखाहुक्रे अत्रा मोहित होसेकल रहिट कि उकहीनहे कौनो हालतमे नाइ छोड्ना हुइलै । जाइ नाइ डेना जिद्दी करे लग्लै । मने, उहाँ जैही पर्ना हुइल ओरसे कोइ फेन रोके नाइ सेकल ओ जैना बेलामे गाउँके सक्कु बालबालिकाहुक्रे उपहार स्वरुप गुरहीके प्रतीक गुडिया ओ डगरामे भुख लग्लेसे खाइक लाग चना लगायतके खैना चीज डेके बाजा सहित बिदाई करलै । घर छोडके जाइबर उहाँहे आपन गुरही सम्झठी ओ डाइहे डेहरीटरे राखल बाटु उ मजासे राखडेहो, स्याहार डेहो कहिके यी यी गीत मार्फत सन्देश फेन पठैली जौन अइसीन बाः

'दाङ बोले टिम्की, महदेवा बोले ढोल
डेहरिक गोरटिर मोर गुरही...।

ओत्र किल नाइहोके, स्वर्गलोक जाँइबर उहाँ ढिउर ठाउँ बिश्राम करटी जैठी । इमलीके रुखुवाटरे बैठ्के आपन गुरहीहे बिश्राम करैटीः

'दाङ बोले टिम्की, महदेवा बोले ढोल
आमलिक रुखवाटिर... गुरही ।

जाब गौर्ही (गाउँभरके गाइ-गोरु जम्मा हुइना ठाउँमे) गाउँ भरिक बालबालिका ओ कन्या जम्मा हुइठै। तब गाउँके पन्हेरवा एकठो निशाना गाडठ्। ओकर एक पाँजर सक्कु लवण्डाहुक्रे पंक्तिपद्ध कैके ठ्याइठै। यहोर लवण्डीहुक्रनहे नुइया, टठियामे लानल गुरही वहाँ फेक्ठै ओ लवण्डाहुक्रे गुरही सोंटासे ठटैटी 'दे घुघरी, दे घुघरी' कहठै। ओकरपाछे घुघरी मागे लग्ठै। छोटछोटा बाबुहुक्रे आपन डाई, दिदीहुक्रनके सहयोगमे सक्भर ढिउरजनहनहे पुग्ना मेरके घुघरी बाँट्ठ ओ बाट्टी गाउँके भुइह्यारथान (गाउँभरके देउथान) मे जैठै वहाँ गाउँके ग्राम देउताहुक्रनहे प्रसाद चह्राके मर्वाके छाप्राउपर छिटके घर अइठै। ओ घर आके फेन आपन घरउपर, अनाज राख्न धनसार ओ बारीमे लगाइल टिनाटावनमे छिट्ना करठै। अइसीक करलेसे घरमे भूतप्रेत नाइ अइना, रोगव्याधी ओ लुतो नाइ लग्ना, भकारी धानमे बृद्धि हुइना। बारीके तरकारी फर्ना जैसिन जनविश्वास रहल बा।

अइसीक भोक, प्यास, दुख कष्ट झेल्टी उहाँ स्वर्गलोकमे हाजिर हुइली ।

कैसिक मनाजाइठ् गुरही ?

शुक्लपक्ष चौथीके चौकीदार गाउँमे हाँक परठै । 'घुघरी भिजाउ रे घुघरी भिजाऊ' । गाउँके सक्कुजे साझा चनाके घुघरी (कोहरी, चानक एक विशेष प्रकारके परिकार) भिजैठै । औरे दिन पञ्चमीके दिन साँझ चना पकैठै । ओ गाउँके सक्कु घरके छोटछोट बालिकाहुक्रे कपडाके टुक्राके गुरहीके प्रतीकके रुपमे गुडिया, चनाके घुघरी (चनाके एक बिशेष परिकार) चना नाइ रलेसे केराउ अथवा दलहन बालीके कोंहरी (घुघरी) ओ लवण्डाभर सोँटा (कोंर्रा) लेके तयार हुइठै । सोँटा काँसके एक झप्पे अथवा दुई झुप्पे रहठ् । बालबालिकाहुक्रनहे लौव लौव कपडासे पुतली जस्टे सजाजाइठ् ।

साँझके गाउँके चौकिदार हाँक लगैठै । 'अरे' गुरही अस्राइ चलो रे, गुरही अस्राइ' तब गाउँके बालबालिका घर–घरसे नुइया, टठियामे गुरही ओ घुघरी लेके निक्रठै । यहोर गुरही अस्राइ (विसर्जन, सेलाउन) निक्रठै ओ गाउँके घरमुली भन्सरिया टठिया ओ सुप्पा ठटैटी 'खाँज खुजली सक्कु लैजा, रोग बिरोख सक्कु लैजा' (लूतो सक्कु लैजा, रोगव्याधी सक्कु लैजा) कहटी घर भित्तरसे निक्रठै ओ डगरासम गुरहीसंगे रोगव्याधी पठाइ अइठै । ओस्टके पृथ्वीलोक छोडके स्वर्गलोक जाँइबर उ चेलीसे पोखल विरहके भावहे गीत मार्फत अइसीक गैठै ।

दाङ बोले टिम्की महदेवा बोले ढोल,
आमलिक रुखवातिर... गुरही ।

जाब गौर्ही (गाउँभरके गाइ–गोरु जम्मा हुइना ठाउँमे) गाउँ भरिक बालबालिका ओ कन्या जम्मा हुइठै । तब गाउँके पन्हेरवा एकठो निशाना गाडठ् । ओकर एक पाँजर सक्कु लवण्डाहुक्रे पंक्तिपद्ध कैके ठ्याइठै । यहोर लवण्डीहुक्रनहे नुइया, टठियामे लानल गुरही वहाँ फेक्ठै ओ लवण्डाहुक्रे गुरही सोंटासे ठटैटी 'दे घुघरी, दे घुघरी' कहठै । ओकरपाछे घुघरी मागे लग्ठै । छोटछोटा बाबुहुक्रे आपन डाई, दिदीहुक्रनके सहयोगमे सक्भर ढिउरजनहनहे पुग्ना मेरके घुघरी बाँट्ठ ओ बाट्टी गाउँके भुइह्यारथान (गाउँभरके देउथान) मे जैठै वहाँ गाउँके ग्राम देउताहुक्रनहे प्रसाद चह्राके मर्वाके छाप्राउपर छिटके घर अइठै । ओ घर आके फेन आपन घरउपर, अनाज राख्न धनसार ओ बारीमे लगाइल टिनाटावनमे छिट्ना करठै । अइसीक करलेसे घरमे भूतप्रेत नाइ अइना, रोगव्याधी ओ लुतो नाइ लग्ना, भकारी धानमे बृद्धि हुइना । बारीके तरकारी फर्ना जैसिन जनविश्वास रहल बा ।

ओस्टके लवण्डाहुक्रनसे ठटाइल लैगिल सोंटा कोइ फेन नाइ डेख्ना मेरके नुकाके लानजाइठ् । उ फेन तरकारी बारीमे बाँधजाइठ् । अइसीक करलेसे किरा फट्यांग्रा नाइ लग्ना ओ फल फेन मजा लग्ना बात थारु समुदायमे सामाजिक धारणा रहल बा । ओस्टके उहे सोंटाहे धूप लगाके घोटके घाउ, खटिरामे सञ्चो हुइना, पेट दुखाई ओ जुरी आइलमे फेन यिहीसे औषधीके काम कैना जानकारहुक्रे बटैठै । अइसीक गुरही पर्व विधिवत् ओराजाइठ् । यी बिशेष कैके बालबालिकाहुक्रनके एक पृथक पर्व हो । जौन पर्व लुतो फेक्नासे लेके बालीनाली सप्रना मान्यताके साथ मनाजाइठ् ।

३२६ म्यानपावर कम्पनीके इजाजतपत्र निलम्बन

काठमाडौं, १२ सावन । वार्षिक १ सय कामदार विदेश नैपठैना ३ सय २६ म्यानपावर कम्पनीके इजाजतपत्र निलम्बनमे परल बटै ।

वैदेशिक रोजगार विभागके अनुसार गैल आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मे १ सय कामदारफे पठाई नैसेकल म्यानपावर कम्पनीके इजाजतपत्र निलम्बनमे परल हो ।

वैदेशिक रोजगार ऐन २०६४ अनुसार दुई वर्षसम लगातार वार्षिक १ सय कामदार पठाई नैसेक्ना म्यानपावर व्यवसायीके इजाजतपत्र रद्द कैना बा ।

१९ चैत २०७५ मे वैदेशिक रोजगार ऐन संशोधन करटी लगातार दुई वर्षसम वार्षिक १ सयफे श्रमिक पठाई नैसेकुइयाके इजाजतपत्र रद्द कैना व्यवस्था करल रहे । उ विरुद्ध म्यानपावर व्यवसायीसे आन्दोलन कैनाके साथे हटाई पर्ना कहटी लबिङ करटी आइल रहिट ।

ऐन अनुसार ३ सय २६ म्यानपावर कम्पनीके इजाजतपत्र रद्दके अवस्थामे पुगल वैदेशिक रोजगार विभागके महानिर्देशक कमलप्रसाद*(बाँकी ३ पेजमे)*

थारु समुदायके...

आपन–आपन घारीमे करयइठैं टब गाउँक् अघरिया (चौकीदरवा, चिरकिया) के पहलमे गाउँक डादुभैया ओ डिडीवहिनियाहुक्रे लावा–लावा लुगरा लगाके टठियामे मेरमेराइक भुजा, डुब्बा घाँस, रंगी बिरंगी लुग्रक गुरही लेले गुरही–गुरहा ठटैना ठाउँमे गैल रठैं । प्रायः कैके गाउँक् चौराहामे ठटैना गुरहीमे सक्कु गाउँभरिक लउण्डा लउण्डी ओ बुह्राइल मनैफेन गुरहीक भुजा मागक लाग चौराहाओर जम्मा रठैं । जब गाउँक् अघरिया एक संस्सु डुब्बा घाँसम् गाँठ पारट अथवा एकठो गुरही बनाइल चिरकुटमे गाँठ पारके गुरहीगुरहा ठटैना आदेश डेहठ् टब उपस्थित हुइल सक्कु लौंरा लर्का आपन–आपन रंगीचंगी सोंटा ओ लम्मा–लम्मा भांगक, बेरसरमक् ओ और चिजसे बनल सोंटासे "घुघरी डेउ" "घुघरी डेउ" कटि ठटैना काम कठैं । ऐसिक गुरही ठटैलसे पुरान गाउँमे रहल रोगव्याधी सब नास हुइठैं ओ गाउँहे रोगव्याधि ओ दुःखसे छुटकारा मिलठ् कना बाटके हमार थारुसमाजमे गहिंर जनविश्वास रहल बा । मने रहस्यमय बाट का बा कलसे एक्ठो लुग्रक जन्नी–थारु मनैयक संकेत करके बनाइल गुरहीहे काकर ठटाजाईठ् टे ?

गुरही ठटाके सेकके सक्कुजाने जम्मा हुइल चौराहामे डिडीवहिनिया हुक्रे गुरही ठटैना ठाउँमे भुजा छिटकर्ना ओ सक्कु जम्मा हुइल लर्कापर्का ओ बुरहाइल मनैनफे आपन टठिया मनिक् बोकके नानल मेरमेराइक भुजा जस्टे– मकैक भुजा, चना, केराउ, भरठर आदिके भुजा सक्कुहुन एक–एकचुटि प्रसादके रुपमे बँट्ना काम कठैं । जवसम टठियक भुजा नै ओरैठिन टबसम लरकाहुक्रे "भुजा डेउ, भुजा डेउ" कर्टि पाछे–पाछे लागल रठैं । ऐसिक ठटाइल गुरही ओ रंगी विरंगी चिरकुट ठटाइल ठाउँसे उठाके आपन घरक डुवारीम् बन्धबो कलसे ओ गुरही ठटाके बचल डुब्बा ओ भुजागुडा आपन घरक छपरम लबडैलसे घरम रहल दुःख चिन्ता दूर हुइना ओ घरक भित्तर रहल साँप गोजर फेन घरसे बाहर निकरके भग्ठै ओ घरम शान्ति सुख हुइठ् कना हमार थारु समाजमे पुरान जनविश्वास कायम बा ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोटः *साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।*

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायत अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेकिठ । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । -सम्पादक

"लैङ्गिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहारः समृद्धिके आधार"

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालिय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालिय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालिय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालिय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बह्वुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

डिप बोरिङहे विद्युत् महसुल ओ न्यून भोल्टेजके समस्या

काठमाडौं, १२ सावन । सरकार सुक्खाग्रस्त मधेश प्रदेशमे सिँचाइ ओ खानेपानी व्यवस्थापनके लाग तत्काल पाँच सय डिप बोरिङ करना तयारी करले बा । ओइसिके डिप बोरिङ कैके कम लागतमे सिँचाइ करना ओ खानेपानी सुविधा उपलब्ध करैना यीआघेके सरकारी योजना भर अव्यावहारिक विद्युत् महसुलके कारण व्यवहारमे प्रयोग हुइ सेकल नैहो ।

सरकारसे सिँचाइके लाग उपयोग हुइना विद्युत्के महसुल प्रतियुनिट दुई रुपियाँ २५ पैसा ओ खानेपानीके प्रयोजनके लाग चार रुपियाँ २० पैसा तोकल बा । अति लोकप्रिय, सस्ता ओ सुलभ डेखैना यी महसुलके साटो उपभोक्तासे प्रकारान्तरसे प्रतियुनिट सात रुपियाँ तिरे परठ । व्यवहारमे भर अधिकांशतः यी ‘स्मिक’ ‘फ्लप’ बा ।

सामुदायिक विद्युत् उपभोक्ता महासंघके अध्यक्ष नारायण ज्ञवालीके अनुसार सामुदायिक संस्थासे सिँचाइके लाग प्रतियुनिट दुई रुपियाँ २५ पैसा ओ खानेपानीके प्रयोजनके लाग चार रुपियाँ २० पैसामे बेचल महसुल प्राधिकरणहे प्रतियुनिट सात रुपियाँके हाराहारीमे तिरे परठ ।

उ कारण हाल तराई मधेशमे अपेक्षाकृत डिप बोरिङ हुइ नैसेक्ना मधेशवासी कुछ हदसम अब्बे धान लगैनासे वञ्चित हुइल बा । खानेपानीके समेत चरम अभाव खेप्न बाध्य बा । पूर्व झापासे पश्चिम कञ्चनपुरसमके तराई मधेश क्षेत्रमे ५० ठोसे ढेर सामुदायिक विद्युतीकरण करना संस्थासे अइसिन संकटमे सेवा डेहल बा ।

पहाडी रहे कि तराई मधेशके छरल बस्ती रहल स्थानमे विद्युतीकरण ओ विद्युत् आपूर्तिमे सामुदायिक संस्था संलग्न बा । उ स्थानमे नेपाल विद्युत् प्राधिकरणसे विद्युतीकरण ओ विद्युत् आपूर्ति कैके लागत ढेर हुइना ओ सञ्चालन खर्च तथा प्राविधिक चुहावट

फेन ढेर हुइना हुइल ।

उ आधारमे सरकारसे समुदायहे थोक महसुलमे विद्युत् डेना ओ ओइसिन संस्थासे उपभोक्ताहे खुद्रा तहमे विद्युत् आपूर्ति करना व्यवस्थासहित आह्वान कैके २०५९ फागुनमे नेपाल विद्युत् प्राधिकरण अन्तर्गत सामुदायिक ग्रामीण विद्युतीकरण विभागके स्थापना होके सहुलियतमे विद्युत् डेना व्यवस्था करल हो ।

हाल ५५ जिल्लामे तीन सय संख्या सामुदायिक विद्युतीय संस्थामार्फत छ लाख घरधुरीमे विद्युत् आपूर्ति हुइल बा । ओइसिके डेहल विद्युत् महसुल घुमाके महँगा होके ग्रामीण क्षेत्रमे समेत विद्युत् आपूर्तिमे कठिन हुइल बा । तराईमे सुक्खा ओ खडेरीके कारण रोपाइँ कम हुइल बेला विद्युत्के महसुल महँगा हुइनाके साथे आवश्यक पूर्वाधार निर्माण नैहोके पर्याप्त रोपाइँ हुइ नैसेकल हो ।

सिँचाइ ओ खानेपानीके लाग किल नैहोके सामुदायिक संस्थामार्फत वितरण करना विद्युत्के गार्हस्थ प्रयोजनके लाग फेन सरकारसे २० युनिटसम महसुल छुट करल बा मने यकर प्रयोगके फेन हालत ओस्टे बा ।

गरिब निमुखा वर्गके राहतके लाग २० युनिट विद्युत्मे ३० रुपियाँ शुल्क निर्धारण करल बा मने २० से २१ युनिट हुइटिकिल प्रतियुनिट छ रुपियाँ २५ पैसा परठ । अस्टेक उपभोक्ता १९ युनिट पुगलपाछे बरु अँन्धारमे बैठल मिटर चह्रे नैडेना, मिटर रिड नैहुइटसम मिटर बन्द कैके कुरठैं । अइसिन अवस्थामे स्थानीय उद्यम विकास ओ कुटिर वा घरेलु उद्यम विकास हुइ नैसेकठ । विद्युत्के आन्तरिक खपत बह्रैना सरकारी योजनामे फेन यिहिनसे समस्या परल बा ।

नेपाल विद्युत् प्राधिकरणाके सामुदायिक विद्युतीकरण विभागके निर्देशक मुनिन्द्र ठाकुरसे आमग्राहकसे विद्युत् खपत बह्रैना बाधक अइसिन कार्यक्रममे सुधार आवश्यक रहल बटैटि धाने नैसेक्ना ओ नैचाहल सामुदायिक उपभोक्ता संस्थाके सेवा प्राधिकरणमातहत नाने लागल फेन चर्चा करलैं ।

सामुदायिक विद्युत् उपभोक्ता राष्ट्रिय महासंघ नेपालके २१ औँ स्थापना दिवसके अवसरमे अँट्वार आयोजित कार्यक्रममे सहभागी ऊर्जाविज्ञ तथा उपभोक्तासे अइसिन विद्युत् महसुल समायोजनके अभावसे विद्युत् आपूर्तिमे समस्या हुइल ओ ओकर असर कृषिलगायत अन्य विविध क्षेत्रमे परल स्विकरलैं ।

महासंघके उपाध्यक्ष जंगबहादुर महतोसे तराईमे डिप बोरिङ करलेसे फेन पुरान ट्रान्सफर्मर, पाटिर ओ झोलल तार जस्टे पूर्वाधारगत समस्या ओ न्यून भेल्टेजके कारण पानी तन्ना ऊर्जा नैपुग्ना समस्या रहल बटैलैं ।

उहाँ कलैं, “तराईमे धान लगाइक लाग पानी परल नैहो, मोटर लगाके पानी तन्ना भोल्टेज नैपुगठ । यिहे कारण उपभोक्ता विद्युत्के सेवा लेहे नैचाहठैं ।” विद्युत् नियमन आयोगके अध्यक्ष रामप्रसाद धिताल फेन सिँचाइ ओ खानेपानीके लाग प्रयोग हुइना विद्युत् महसुलके समस्या गम्भीर रहल स्विकरलैं ।

उहाँ विद्युत् महसुलके हाल छ ठो स्ल्याब रहलमे घटैना जरुरी रहल बटैटि अपने भर्खर प्राधिकरणके कार्यकारी निर्देशक हितेन्द्रदेव शाक्यहे महसुलके नयाँ प्रस्ताव नन्ना कना जानकारी डेलैं । विद्युत् खपत बह्रैना वितरण प्रणालीके पूर्वाधारमे लगानी बह्रैना आवश्यक रहल उहाँक कहाइ बा ।

उ अवसरमे ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिँचाइमन्त्री दीपक खड्का शतप्रतिशत विद्युतीकरणमे महासंघके भारी योगदान रहल बटैटि समस्या समाधानमे लग्ना आश्वासन डेलैं । विद्युत् उत्पादन बह्राके निर्यात करना सरकारके लक्ष्य रहल ओरसे यम्ने महासंक मिलके भारी हाइड्रोपावर खोले सेक्ना मन्त्री खड्काके कहाइ बा ।

ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिँचाइ मन्त्रालयके सचिव सुरेश आचार्य सन् २०३५ सम २८ हजार पाँच सय मेगावाट विद्युत् उत्पादन करना सरकारके लक्ष्य रहल ओरसे विद्युत् उत्पादन बह्राके निर्यात करना सामुदायिक संस्थासमेत लागेपरना बटैलैं ।

नेपाल विद्युत् प्राधिरणके कार्यकारी निर्देशक हितेन्द्रदेव शाक्यसे डिप बोरिङ ओ पम्प स्थापना करेक लाग सामुदायिक विद्युत्के प्रयोग बह्रेपरना बटैलैं । पूर्वजलस्रोतमन्त्री दीपक ज्ञवाली विद्युत्के उत्पादन ओ गुणस्तरीय वितरण प्रणाली सुधार कैके आन्तरिक खपत बह्रैना टमान पहल करेपरना बटैलैं ।

सामुदायिक विद्युत् उपभोक्ता राष्ट्रिय महासंघ नेपालके अध्यक्ष नारायण ज्ञवाली विद्युत् महसुलदर समुदायमैत्री नैहोके विद्युत् आपूर्तिमे समस्या रहल जानकारी डेलैं ।

३२६ म्यानपावर...

भट्टराई जानकारी डेलै । उ संस्थाके इजाजतपत्र नवीकरणके लाग बाधा अड्काउ फुकाउ मार्फत निर्णय करेपर्ना भट्टराई बटैलै ।

श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा मन्त्रालयसे वैदेशिक रोजगार ऐन संशोधन करके उ प्रावधान हटाइल बा । १६ वैशाख २०८२ मै ‘कुछ नेपाल ऐन संशोधन कैना विधेयक’से उ प्रावधान संशोधन करल रहे । मने, राष्ट्रपतिसे प्रमाणीकरण हुइना बाँकी रहे ।

राष्ट्रपतिसे प्रमाणीकरण हुइलपाछे राजपत्रमे प्रकाशित हुइना ओ ओकरपाछे केल्ह उ उ प्रावधान हुटी । कानुन अनुसार म्यानपावर कम्पनीके इजाजत हरेक आर्थिक वर्ष असार मसान्तसम हुई । सावनसे नवीकरण नैकरलै इजाजतपत्र रद्द रहठ ।

कानुन अनुसार उ संस्थाके इजाजतपत्र अब्बे निलम्बनके अवस्थामे रहल महानिर्देशक भट्टराई बटैलै । श्रम मन्त्रालयसे उ प्रावधान धारल यहोर लगातार ‘बाधा अड्काउ फुकाउ’ मार्फत १ सय श्रमिक पठाई नैसेक्ना म्यानपावरके नवीकरण करटी आइल रहे ।

गैल आवफे श्रम मन्त्रालयसे बाधा अड्काउ फुकाउ अधिकार प्रयोग करटी अन्तिम पटकके लाग कहटी २ सय ५८ म्यानपावरके इजाजत नवीकरण करल रहे । ‘ऐन आसेकलपाछे पोहोर सालके जस्टे बीचमे ग्याप रहठ । असार मसान्तसे लेके कौन मितिमे उ प्रमाणीकरण हुइठ, उ मितिके अब ग्यापके विषयमे बाधा अड्काउ फुकैना विधिओर जाई, महानिर्देशक भट्टराई कहलै ।

ऐनसंगे वैदेशिक रोजगार नियमावली समेत संशोधन करेपर्ना रहठ । ऐन प्रमाणीकरण हुइलपाछे मन्त्रालयसे नियमावली संशोधन कैना बा । उ पाछे केल्ह उ संस्थाके इजाजतपत्र नवीकरण हुई ।

अन्तर्राष्ट्रिय

रुससे उत्तर कोरियामे सिधा हवाई उडान सुरु

काठमाडौं, १२ सावन । रुस युक्रेनमे उत्तर कोरियाके आक्रमणहे सघैना एशियाली सहयोगीसँगके घनिष्ठ सम्बन्धके थप संकेतस्वरूप अँट्वारसे उत्तर कोरियाके लाग सिधा व्यापारिक उडान सुरु करल बा ।

नर्डविन्ड एयरलाइन्ससे सञ्चालन करल मस्को–प्योङयाङके पहिल उडान स्थानीय समय अनुसार अँट्वारके रोज १६:०० बजे उरल रहे ओ करिब आठ घण्टापाछे उत्तर कोरियाके राजधानीमे अवतरण करना तालिका रहल बा ।

युरोपेली संघसे रुसी उडानमे प्रतिबन्ध लगैनाआघे युरोपके पर्यटकीय गन्तव्यमे उडान भरटि आइल नोर्डविन्ड एयरलाइन्ससे मस्कोसे प्योङयाङके लाग टिकटके मूल्य ४५ हजार रुबल (५७० अमेरिकी डलर) तोकल बा ।

रुसके सरकारी समाचार संस्था तासके अनुसार मंगरके रोज प्योङयाङसे मस्कोके लाग उडान हुइल बा । रूसके यातायात मन्त्रालयसे यी रुट महिनामे एक चो सञ्चालन करल जनाइल बा ।

सन् २०२० मे कोभिड–१९ के महामारीके बेला रेल सेवा बन्द करल रुस ओ उत्तर कोरियासे गैल जुन १७ मे यिहिनहे पुनः सञ्चालन करल रहे ।

प्योङयाङसे युक्रेनमे अपन सैन्य कारबाहीमे रुसहे प्रयोग करेक लाग सेना ओ हतियार उपलब्ध कराइलसँगे हालके वर्षमे दुई देशबिच घनिष्ठ सैन्य सम्बन्ध गाँसल बा ।

गैल वर्ष रुसी राष्ट्रपति भ्लादिमिर पुटिन उत्तर कोरियाके भ्रमण करेबेर उहाँहुकनसे आपसी रक्षा सम्झौतामे हस्ताक्षर करल रहैं ।

उत्तर कोरियासे गैल अप्रिलमे पहिलचो युक्रेनके सीमा क्षेत्रमे युक्रेनसँगके लराइके लाग रुसी सेनासँगे अपन सैनिकके एक टुकडी तैनाथ करल पुष्टि करल रहे ।

ग्राहक वर्गहरुमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि–कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन

धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००|– अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अत्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

बयालपाटा अस्पताल भदौसे सञ्चालनमे अइना

अछाम, १२ सावन । अछामके बयालपाटा अस्पताल आगामी भदौ १ गतेसे सञ्चालनमे अइना हुइल बा । प्रदेश सरकारसे अस्पतालहे आपन मातहतमे लन्ना निर्णय करलपाछे सञ्चालनमे अइना हुइल हो ।

अस्पताल ५० शैय्याके रुपमे सञ्चालन हुइना बा । सुदूरपश्चिम प्रदेशके सामाजिक विकास मन्त्री मेघराज खड्काके निरन्तर पहलसे अस्पताल सञ्चालनमे आइ लागल जनाइल बा । मन्त्री खड्काके चुनावी घोषणा पत्रमे उल्लेखित प्रमुख प्रतिवद्धता नै बयलपाटा अस्पतालके दिगो ओ स्थायी व्यवस्थापन रहे, जौन आब कार्यान्वयनके चरणमे प्रवेश कैटी बा ।

७० प्रतिशत कर्मचारी बयालपाटा अस्पतालमे कार्यरतहे नियुक्त करजैना बा कलेसे बाँकी ३० प्रतिशत खुल्ला प्रतिष्पर्धा मार्फत पदपूर्ति कैना सामाजिक विकास मन्त्रालय जानकारी डेले बा । नागरिकके स्वास्थ्यहे ख्याल कैटी, सरोकारवालाके मागहे सम्बोधन कैके बयालपाटाके दीर्घकालीन व्यवस्थापन कैना प्रदेश सरकार खास कैके मुख्यमन्त्री ओ सामाजिक विकास मन्त्री महत्वपूर्ण कदम

चल्ना निर्णय करैना सफल हुइल फेन जनाइल बा ।

नेपालके संविधानसे प्रत्येक नागरिकके स्वास्थ्य सेवामे पहुँच सुनिश्चित कैना मौलिक हकके प्रत्याभूति करले बा । नेपालके संविधानके धारा ३५ से 'स्वास्थ्यसम्बन्धी हक'हे मौलिकहकके रूपमे मान्यता डेहल बा । उ धाराके उपधारा (१) मे कहल बा, 'प्रत्येक नागरिकहे स्वास्थ्य सम्बन्धी आधारभूत सेवा राज्यसे निःशुल्कप्राप्त कैना हक रहल बा ।'

ओस्टके, उपधारा (२) मे कहल बा, 'प्रत्येक नागरिकहे सम्मानजनक जीवनयापनके लाग स्वास्थ्य बीमा करैना राज्यके दायित्व रहना बा ।' बयलपाटा अस्पतालके दिगो व्यवस्थापनके यी निर्णय संविधानके उक्त प्रावधानहे व्यवहारमे उटर्ना दिशा ओर ठोस कदम मानल बा ।

विशेष कैके सुदूरपश्चिमके दुर्गम क्षेत्रके सीमान्तकृत ओ पिछरल वर्गके जनताके लाग सहज, गुणस्तरीय ओ निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित कैना राज्यके संवैधानिक दायित्व हो, जेम्ने प्रदेश सरकारसे गम्भीरता डेखैले बा । बयलपाटा अस्पताल विगत १७ बरससे 'न्याय हेल्थ'नामक गैर–नाफामूलक संस्थाके साझेदारीमे सञ्चालित रहे । यी अवधिमे अस्पतालसे अछाम किल नैहोके बाजुरा, बझाङ, डोटीलगायत कर्णाली प्रदेशके पहाडी जिल्लाके हजारौं नागरिकहे गुणस्तरीय निःशुल्क सेवा प्रदान कैटी आइल बा ।

मने कुछ बरस यहोर आर्थिक असहजताके कारण संस्थाहे अस्पताल सञ्चालन कैना कठिन हुइटी रहल अवस्था रहे । यदि समयमे स्थायी वैकल्पिक समाधान खोजल नैरहट कलेसे, अस्पताल बन्द हुइना अवस्था सिर्जना हुइ सेकट । ओस्टके संवेदनशील घडीमे मन्त्री खड्का मन्त्रालयस्तरीय तथा मन्त्रिपरिषद पहल कैटी अस्पतालहे सरकारी स्वामित्वमे लन्ना प्रक्रिया आघे बह्रैलै ।

सुदूरपश्चिमके १३ क्याम्पसहे आंगिक...

एमाले सुदूरपश्चिम इन्चार्ज लेखराज भट्टके नेतृत्वमे गैल प्रतिनिधिमण्डलसे कञ्चनपुरके भानु बहुमुखी क्याम्पस दोधरा चाँदनी ओ कृष्ण वैजनाथ बहुमुखी क्याम्पस झलारी, अछामके अछाम बहुमुखी क्याम्पस, डोटीके केदार ज्योतिपुञ्ज बहुमुखी क्याम्पस, कैलालीके लम्की बहुमुखी क्याम्पस ओ घोडाघोडी बहुमुखी क्याम्पसहे आंगिक बनैना माग करल बा ।

ओस्टके बझाङके बझाङदीप बहुमुखी क्याम्पस ओ सुनकुडा बहुमुखी क्याम्पस, डडेल्धुराके भीमदत्त बहुमुखी क्याम्पस, कञ्चनपुरके महाकाली बहुमुखी क्याम्पस बेलौरीहे सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालयके आंगिक क्याम्पसमे समायोजन कैना माग करल बा । सुदूरपश्चिम प्रदेश भौगोलिक रूपमे विकट ओ विकासमे पाछे परल क्षेत्र हुइल ओरसे शिक्षामे करल लगानीसे बसाइसराइ नियन्त्रण, स्थानीय रोजगारीके सृजना ओ उत्पादनमुखी अर्थतन्त्रतर्फके यात्रा सहज बनैना निर्वतमान उपाध्यक्ष गिरी बटैलै ।

कर्मचारी आवश्यकता

प्रथम पटक प्रकाशित मिति २०८२/०४/०८ गते
विज्ञापन नं.१/२०८२/०८३

कर्मचारी पदपूर्ति सम्बन्धी सूचना

यस हस्पिटलका लागी तपसिल बमोजिमका कर्मचारीहरु आवश्यक परेको हुदा इच्छुक तथा योग्यता पुगेका व्यक्तिले यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १० दिन भित्र रित पूर्वको दरखास्त फाराम आह्वान गरिन्छ ।

सि.नं.	पद	संख्या	शैक्षिक योग्यता
१.	Medical Officer	४ जना	MBBS विषय उर्तिण गरेको ।

* पेश गर्नुपर्ने कागजातहरु :- शैक्षिक योग्यता अनुसारका मार्कशीट, सर्टिफिकेट तथा सम्बन्धित काउन्सीलको नविकरण भएको प्रमाण-पत्र, नेपाली नागरीकताको प्रमाण-पत्र र काम गरेको भए अनुभवको प्रमाण-पत्र साथ दरखास्त पेश गर्नुपर्नेछ ।
* अनुभवीलाई विशेष ग्राहेता दिईनेछ ।
* तलब सुविधा :- हस्पिटलको नियमानुसार ।
* उमेर :- १८ वर्ष पुरा भै ४० वर्ष ननाघेको हुनुपर्नेछ ।
* परीक्षाको किसिम :- मौखिक ।

थप जानकारीको लागि ०९१-५२७०००/९८६५६८०१००
Email: nisargahospitaldgd@gmail.com

निसर्ग हस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.
हसनपुर, धनगढी-५, कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार
ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.
(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

डा. संजयकुमार गुप्ता
एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)
इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ
एन.एम.सी. नं.–१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू
- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ढ्याउ-ढ्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
Kailali Hospital Pvt. Ltd. 2070
जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

Empowering Futures through Technical Excellence !
CTEVT

Admission Open!

Certificate in Medical Lab Technology
Three-Year Diploma Program

30 Seats Only

Entry Requirement
- Min. 2.0 GPA in SEE or equivalent with grades in compulsory mathematics, science, and English. Or
- TSLC in Medical Laboratory Technology with 68.33%

Career Opportunities
- Hospitals and clinics
- Diagnostic and research laboratories
- Blood banks
- Pharmaceutical and biotech industries
- Self-employment in medical labs
- Government jobs

Further Studies and Career
- Bachelor in Medical Laboratory Technology (BMLT)
- Bachelor of Science in Laboratory Medicine
- Bachelor of Public Health (BPH)
- Bachelor of Pharmacy (BPharm)
- Bachelor of Nursing (BSc Nursing)
- B.Sc. in Microbiology/Biochemistry/Biotechnology

Contact Us
ATTARIYA TECHNICAL COLLEGE
GODAWARI-2, ATTARIYA, KAILALI
091-551286 | 9848412999
9742410357 | 9841672834
attariyatc@gmail.com